



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 168]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 12, 1985/चैत्र 22, 1907

No. 168]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 12, 1985/CHAITRA 22, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1985

बीमा

भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4
कर्मचारी (सेवा निबन्धनों और शर्तों का
पुनरीक्षण) नियम, 1985

मा०का०नि० 357(अ) :—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा
निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय जीवन
बीमा निगम, वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (बोनस और
महंगाई भत्ता) नियम, 1981, भारतीय जीवन बीमा निगम,
(वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी) वेतन नियम, 1981 और
भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी
(अधिवार्षिता और सेवानिवृत्ति) नियम, 1983 को, उन
बातों के सिवाय अधिकांत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण

से पहले किया गया है या करने से लोप किया गया है,
भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारियों
की सेवा के कतिपय निबन्धनों और शर्तों का विनियमन करने
के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, प्रारंभ और लागू होना:—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा
निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा के निबन्धनों और
शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 है।

(2) इन नियमों के उपबन्ध, नियम 14 के सिवाय
1 अप्रैल, 1983 में प्रवृत्त समझे जायेंगे और नियम 14
को 22 फरवरी, 1983 को प्रवृत्त हुआ समझा जायेगा।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी,
राजपत्र में इन नियमों के प्रकाशित होने की तारीख से तीस
दिन के भीतर यदि कोई वर्ग 3 या वर्ग 4 का कर्मचारी,
निगम को लिखित सूचना देता है जिसमें वह 11 अप्रैल,
1985 से इन नियमों, नियम 14 के सिवाय, के उपबन्धों
से शासित होने का अपना विकल्प कहा करता है, तो निगम

आदेश द्वारा ऐसे कर्मचारी को उस तारीख से उक्त नियमों द्वारा शासित होने की अनुज्ञा दे सकता है।

2. परिभाषाएँ:—

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) “अधिनियम” से जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) अभिप्रेत है ;
- (ख) “कर्मचारी” से भारतीय जीवन बीमा निगम का कर्मचारी अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत वह व्यक्ति भी है जो अधिनियम के अधीन नियत दिन को निगम का ऐसा कर्मचारी हो गया है ;
- (ग) “कार्यकरण भत्ता” से ऐसा भत्ता अभिप्रेत है जो किसी कर्मचारी को किसी विनिर्दिष्ट कृत्य का पालन करने के लिये संचालित किया गया हो ;
- (घ) “प्रोन्नति विनियम” से भारतीय जीवन बीमा (प्रोन्नति) विनियम, 1976 अभिप्रेत है ;
- (ङ) “कर्मचारी विनियम” से भारतीय जीवन बीमा (कर्मचारी) विनियम, 1960 अभिप्रेत है ;
- (च) ऐसे शब्दों और पदों का जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु जो कर्मचारी विनियमों में परिभाषित हैं, वही अर्थ है जो कर्मचारी विनियमों में है।

3. वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारियों की सेवा की शर्तें:—

कर्मचारी विनियम और प्रोन्नति विनियम में किसी बात के होते हुए भी इन नियमों में सम्मिलित विषयों के संबंध में वर्ग 3 और वर्ग 4 के कर्मचारियों की सेवा के निबंधन और शर्तें इन नियमों के नियम 4 से 19 तक के उपबन्धों के अनुसार विनियमित होंगी।

4. वर्ग 3 के कर्मचारियों के वेतनमान:—

(1) वर्ग 3 के कर्मचारियों के वेतनमान निम्नलिखित होंगे:—

- | | |
|-------------------------|---|
| (1) अधीक्षक | 1210-75-2035-80-2385
रुपए |
| (2) उच्चतर श्रेणी सहायक | 775-60-1135-द०रो०-75-
2035 रुपये |
| (3) अनुभाग अध्यक्ष | 660-45-750-60-1290-
75-1890 रु० |
| (4) आशुलिपिक | 520-30-670-45-850-60-
1150-द०रो०-60-1210-
75-1660 रु० |

- | | |
|--|--|
| (5) सहायक, गृहीता और
संदायकर्ता, रोकड़िया,
टंकक, टेलिफोन प्रचालक,
एड्रेसिंग मशीन और
पंच कार्ड प्रचालक,
कंप्यूटर प्रचालक,
प्रोजेक्शनकर्ता | 520-30-670-45-850-60-
1210-द०रो०-75-1660
रुपये |
|--|--|

- | | |
|------------------|---|
| (6) अभिलेख लिपिक | 460-20-520-25-720-द०
रो०-35-860-45-1130
रुपये |
|------------------|---|

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट वेतनमानों के अतिरिक्त, निम्नलिखित प्रवर्ग के कर्मचारी नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक विशेष भत्ता प्राप्त करेंगे:—

1. उच्चतर श्रेणी सहायक जो आन्तरिक लेखा परीक्षा सहायकों के रूप में नियुक्त किये गये हैं।

- | | |
|------------------------------------|------------------|
| (क) प्रथम पांच वर्ष के लिये : | 180 रु० प्रतिमास |
| (ख) आगामी पांच वर्षों के लिये : | 200 रु० प्रतिमास |
| (ग) पश्चात्पूर्वी वर्षों के लिये : | 225 रु० प्रतिमास |

2. आशुलिपिक : 245 रु० प्रतिमास

3. सहायक जो गृहीता और संदायकर्ता रोकड़िया के रूप में नियुक्त किये गये हैं : 115 रु० प्रतिमास

(3) उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट विशेष भत्ते को आधारी वेतन का भाग नहीं माना जायेगा। परन्तु, विशेष भत्ते का भाग, नीचे विनिर्दिष्ट विस्तार तक, भविष्य निधि, उपदान, मकान भाड़ा भत्ते के लिये और प्रोन्नति पर वेतन पुनः नियत करने के लिये, गणना में लिया जायेगा।

(क) आन्तरिक लेखा परीक्षा सहायक नियुक्त किये गये उच्चतर श्रेणी सहायकों की दशा में :

- | | |
|--------------------------------|---------|
| प्रथम पांच वर्षों के लिये : | 110 रु० |
| आगामी पांच वर्षों के लिये : | 120 रु० |
| पश्चात्पूर्वी वर्षों के लिये : | 135 रु० |

(ख) आशुलिपिकों की दशा में : 146 रु०

(ग) गृहीता और संदायकर्ता
रोकड़िया के रूप में नियुक्त

किये गये सहायक : 70 रु०

4. ऐसे बांडा और डुप्लीकेटिंग मशीन प्रचालक, जो अभिलेख लिपिक के वेतनमान में है, और जो 25 रुपये प्रतिमास कार्यकरण भत्ता प्राप्त करेगा, के सिवाय, कोई भी कर्मचारी कार्यकरण भत्ता पाने का हकदार नहीं होगा।

परन्तु यह और कि विद्यमान वर्ग 3 कर्मचारी को कार्यकरण भत्ता प्राप्त कर रहा है वैसे ही कार्यकरण भत्ता तब तक लेता रहेगा जब तक कि वह उसके द्वारा धारित वर्तमान पद पर बना रहता है और यह भत्ता भविष्य में मजदूरी के पुनरीक्षण पर आमेनित कर दिया जायेगा।

5. कोई वर्ग 3 कर्मचारिवृद्ध किसी विशेष वेतन का हकदार नहीं होगा।

5. अनुभाग अध्यक्ष और अधीक्षकों के काडर में प्रोन्नति :

अनुभाग प्रधान और अधीक्षक के काडर में 1 जुलाई, 1985 को या उसके पश्चात् कोई नयी नियुक्तियां या प्रोन्नतियां नहीं की जाएंगी।

6. वर्ग 4 के कर्मचारियों के वेतनमान :—(1) वर्ग 4 के कर्मचारियों के वेतनमान निम्नलिखित होंगे :—

(1) झाड़ूकस और सफाई वाले : 415-10-435-20
—775 रुपये

(2) सिपाही, हमाल, प्रधान चपरासी
लिफ्टमेन तथा चौकीदार, दफ्तरी : 430-10-450-
20-790 रुपये

(3) ड्राइवर : 430-10-450-
20-790 रुपये

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट वेतनमानों के अतिरिक्त, निम्नलिखित प्रवर्ग के कर्मचारी नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक विशेष भत्ता प्राप्त करेंगे जिसे सभी प्रयोजनों के लिये आधार वेतन के रूप में गिना जाएगा :—

(क) लिफ्टमेन, चौकीदार, प्रधान-
चपरासी : 33 रु. प्रति मास

(ख) ड्राइवर

वेतनमान के नवें आयाम तक : 150 रु. प्रतिमास
वेतन मान के दसवें आयाम पर और
उसके आगे 14वें आयाम तक,
जिसमें यह आयाम भी सम्मिलित : 170 रु. प्रतिमास
15वें आयाम पर और उससे आगे : 190 रु. प्रतिमास

(3) वर्ग 4 का कोई भी कर्मचारी किसी विशेष वेतन का हकदार नहीं होगा।

7. वेतनमान में अधिकतम तक पहुंचने के पश्चात् आधार वेतन में वृद्धियां :—

कार्य अभिलेख के संतोषप्रद पाये जाने के अधीन रहते हुए—

(क) किसी कर्मचारी को, —

(i) जो वर्ग 3 के सहायक या आलिशुपिक के वेतनमान में है; या

(ii) जो वर्ग 4 के किसी वेतनमान में है,

और जो उसे लागू वेतनमान में अधिकतम तक पहुंच गया है, ऐसे अधिकतम तक पहुंच जाने के पश्चात् पूरे किये गए सेवा के प्रत्येक दो वर्ष के लिये, उस वेतनमान में उसके द्वारा प्राप्त की गई अंतिम वेतनवृद्धि के बराबर एक और वेतन वृद्धि स्वीकार की जा सकती है किन्तु ऐसी वेतन वृद्धियां अधिक से अधिक तीन होंगी।

(ख) अभिलेख लिपिक, अनुभाग प्रधान या उच्चतर श्रेणी सहायक के वेतनमान में किसी कर्मचारी को, जो वेतनमान में अधिकतम तक पहुंच गया है, ऐसे अधिकतम तक पहुंच जाने के पश्चात् पूरे किये गये सेवा के प्रत्येक तीन वर्ष के लिये उस वेतनमान में उसके द्वारा प्राप्त की गई अंतिम वेतन वृद्धि के बराबर एक और वेतन वृद्धि स्वीकार की जा सकती है किन्तु ऐसी वेतनवृद्धियां अधिक से अधिक दो होंगी :

परन्तु यह कि जहां किसी कर्मचारी को उसकी अंतिम वेतन वृद्धि या अतिरिक्त वेतन वृद्धि की तारीख से सेवा के दो वर्ष या तीन वर्ष की समाप्ति पर खंड (क) या खंड (ख) में निर्दिष्ट अतिरिक्त वेतन वृद्धि स्वीकृत नहीं की जाती है वहां उसका मामला प्रत्येक कलेण्डर वर्ष के उस मास के, जिसमें वह उस वर्ष में सेवा के बारह मास पूरा करता है, ठीक आगामी मास में पुनरीक्षण के योग्य हो जाएगा, जब तक कि उसे वेतन वृद्धि अनुज्ञात नहीं कर दी जाती, और यदि वेतन वृद्धि मंजूर कर ली जाती है तो ऐसी वेतन वृद्धि उस मास की प्रथम तारीख से, प्रभावी होगी जिसमें उस कलेण्डर वर्ष में जिसमें कि वृद्धि देने का विनिश्चय किया जाता है, उसका मामला पुनरीक्षण योग्य हो जाता है।

स्पष्टीकरण :—इस नियम के प्रयोजन के लिये, आधार वेतन में अतिरिक्त वेतन वृद्धि अनुज्ञात करने के लिये सक्षम प्राधिकारी वह होगा जो कर्मचारी को, कर्मचारी विनियम की अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट दक्षतारोक पार करने की अनुज्ञा देने के लिये सक्षम प्राधिकारी है।

8. मंहगाई भत्ता :—(1) वर्ग 3 और 4 के कर्मचारियों के मंहगाई भत्ते का मापमान निम्नलिखित रूप में अवधारित किया जायेगा :—

सूचकांक : औद्योगिक कर्मचारों का अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

आधार : 1960 की श्रृंखला में सूचकांक सं. 332-100

दर : वर्ग 3 के कर्मचारी

अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के 332 अंकों के ऊपर त्रैमासिक औसत में प्रत्येक चार अंकों के लिये आधार वेतन का 1 प्रतिशत किन्तु प्रत्येक चार अंकों के लिये अधिक से अधिक 15.80 रुपये तक।

लगा 4 कर्मचारी

अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के 332 अंकों के ऊपर त्रैमासिक औसत में प्रत्येक चार अंकों के लिये आधार वेतन और विशेष भत्ते का, यदि कोई है, 1.2 प्रतिशत।

(2) अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के त्रैमासिक औसत में (जिसे इसके आगे चालू औसत अंक कहा गया है) प्रत्येक चार बिन्दु वृद्धि के लिये देय मंहगाई भत्ते का पुनरीक्षण, 332 अंक के ऊपर 332-336-340-344 के क्रम में ऊपर की ओर वैसे ही आगे किया जायेगा। और यदि चालू औसत अंक, सूचकांक से नीचे, ऊपर उल्लिखित क्रम से गिर जाता है तो देय मंहगाई भत्ते का पुनरीक्षण नीचे की ओर उसी क्रम से होगा जिसके प्रतिनिर्देश से अंतिम पूर्वगामी तिमाही के लिये मंहगाई भत्ता संदत्त किया गया है। नीचे की ओर पुनरीक्षित किये जाने पर संदेय मंहगाई भत्ता चालू औसत अंक से मेल खाता हुआ होगा। यदि ऐसा चालू औसत अंक उपरोक्त क्रम से हो, और यदि ऐसा चालू औसत अंक उस क्रम में का अंक नहीं है तो संदेय मंहगाई भत्ता उपरोक्त क्रम में दूसरे पूर्वगामी चालू औसत अंक के समानवर्ती होगा। इस प्रयोजन के लिये तिमाही से मार्च, जून, सितम्बर या दिसम्बर की अंतिम तारीख को समाप्त होने वाली त्रैमासिक अवधि अभिप्रेत है। वह अंतिम सूचकांक जो भारतीय श्रम पत्रिका या भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया या इनमें से जो भी प्रकाशन पहले उपलब्ध हो, सूचकांक होगा जिससे मंहगाई भत्ता संगणित करने के प्रयोजनार्थ अपनाया जायेगा।

(3) किसी विशिष्ट मास के लिये मंहगाई भत्ते की संगणना के प्रयोजन के लिये, अंतिम तिमाही का औसत, जिसका अंतिम सूचकांक उस मास के 15वें दिन उपलब्ध हो, त्रैमासिक औसत के रूप में लिया जायेगा। इन पुनरीक्षित मंहगाई भत्ते का वास्तविक संदाय उस मास के आगामी मास से किया जायेगा जिसमें सुसंगत सूचकांक उपलब्ध हो।

(4) शंका के निवारण के लिये यह स्पष्ट किया जाता है कि 1 अप्रैल, 1983 को संदेय मंहगाई भत्तों की राशि वह राशि होगी जिसे 332 सूचकांक से ऊपर 160 अंक पर इन नियमों में विनिर्दिष्ट दर के अनुसार निर्धारित किया जाये और तत्पश्चात् सभी त्रैमासिक पुनरीक्षण उस मास की पहली तारीख को संदेय समझे जायेंगे। जिसमें इस नियम के अधीन मंहगाई भत्ते के पुनरीक्षण के लिये त्रैमासिक औसत सूचकांक, इस नियम के प्रारम्भ होने से पहले उपलब्ध थे। तदनुसार, अप्रैल 1983 के लिये संदेय मंहगाई भत्ता वही होगा जो नीचे दी गई सारणी की प्रथम प्रविष्टि में उपदर्शित किया गया है, और ऐसे भत्ते की सारणी की उत्तरवर्ती प्रविष्टियों के अनुसार तत्पश्चात् पुनरीक्षित समझा जाएगा।

सारणी

मास के लिये संदेय मंहगाई भत्ता	चार अंक के गुणकों में त्रै-मासिक औसत सूचकांक	332 से ऊपर सूचकांक जिसके लिये मंहगाई भत्ता संदेय है	दर	वर्ग 3	वर्ग 4
प्रतिशत					
अप्रैल, 83	492	160	40	48	
मई, 83 से जुलाई, 83	496	164	41	49.2	
अगस्त, 83 से अक्टूबर, 83	520	188	47	56.4	
नवम्बर, 83 से जनवरी, 84	548	216	54	64.8	
फरवरी, 84 से अप्रैल, 84	556	224	56	67.2	
मई, 84 से जुलाई, 84	560	228	57	68.4	
अगस्त, 84 से अक्टूबर, 84	564	232	58	69.6	
नवम्बर, 84 से जनवरी, 85	584	252	63	75.6	

9. मकान किराया भत्ता : (1) वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारियों के, उनके सिवाय जिन्हें कर्मचारी आवास आबंटित कर दिया गया है, मंहगाई भत्ते का मापमान, आधारी-वेतन जमा विशेष वेतन के उस भाग को जैसा नियम 4 के उपनियम (3) के या नियम 6 के उपनियम (2) के परन्तुक में विनिर्दिष्ट है, 10 प्रतिशत की दर से होगा किन्तु ऐसा अधिकतम भत्ता दो सौ रुपये होगा।

(2) ऐसे कर्मचारी जिन्हें कर्मचारी आवास आबंटित किया गया है किसी मकान किराया भत्ते के हकदार नहीं होंगे किन्तु वे अपने कब्जे में के कर्मचारी आवास के लिये समुचित अनुज्ञप्ति फॉर्स का संदाय करेंगे।

परन्तु ऐसे कर्मचारी जिन्हें 1 अप्रैल, 1983 से पहले कर्मचारी आवास आबंटित किया गया है, उन्हें संदत्त किया जाने वाला मकान किराया भत्ता उसी प्रकार प्राप्त करने रहेंगे जैसा वे इस नियम के प्रारम्भ होने की तारीख से पूर्वगामी तारीख को प्राप्त कर रहे थे।

10. नगर प्रतिकरात्मक भत्ता:—(1) वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारियों को देय नगर प्रतिकरात्मक भत्ता निम्न-लिखित रूप में होगा:—

पदास्थ होने का स्थान	दर	न्यूनतम	अधिकतम
1	2	3	4
(क) वे नगर जिनकी आबादी 12 लाख से अधिक है और पणजी तथा मार्मो गोवा के नगरीय क्षेत्र	वर्ग 3 आधारी वेतन का 10 प्रतिशत वर्ग 4 आधारी वेतन का 8 प्रतिशत	65 रु०	140 रु०
		40 रु०	60 रु०

1	2	3	4
(ख) वे नगर जिनकी आबादी 5 लाख और उससे ऊपर है किन्तु जिनकी आबादी 12 लाख से अनधिक है राज्यों की राज- धानियाँ और चंडीगढ़, पॉण्डिचेरी, तथा पोर्ट ब्लेयर	वर्ग 3 आधारी वेतन का 6 प्रतिशत वर्ग 4 आधारी वेतन का 4 1/2 प्रतिशत	54 रु. 30 रु०	90 रु० 35 रु०

टिप्पण : इस नियम के प्रयोजन के लिए, आबादी के आंकड़े वे होंगे जो 1981 की जनगणना रिपोर्ट में दिए गए हैं।

(2) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी वर्ग 3 या वर्ग 4 का कोई कर्मचारी जो वर्तमान में 20 रु० प्रतिमास नगर प्रतिकरात्मक भत्ता 1 अप्रैल, 1983 से ठीक पहले तक प्राप्त कर रहा था, उक्त रकम तब तक प्राप्त करता रहेगा जब तक वह उसी स्थान पर पदास्थ है, और यह रकम भविष्य में मजदूरी के पुनरीक्षण के समय आमेलित की जाएगी।

11. पहाड़ भत्ता :

(1) वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारियों को देय पहाड़ भत्तों का मापमान निम्नलिखित प्रकार होगा:—

(1) समुद्र तल से 1,500 मीटर और उससे अधिक ऊँचाई पर अवस्थित स्थान पर पदास्थ आधारित वेतन के 10 प्रतिशत की दर पर, न्यूनतम 35 रु० और अधिकतम 100 रु० प्रतिमास तक

(2) समुद्र तल से 1,000 मीटर और उससे ऊपर किन्तु 1,500 मीटर से कम की ऊँचाई पर अवस्थित स्थानों, पदास्थ सरकारा और ऐसे स्थानों पर पदास्थ जिन्हें केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों द्वारा अपने कर्मचारियों के लिए "पहाड़ी स्थान" घोषित किया गया है। आधारित वेतन के 8 प्रतिशत की दर पर किन्तु न्यूनतम 30 रु० और अधिकतम 75 रु० प्रति मास तक

12. वेतन की अधिकतम सीमा:—(1) कोई भी वर्ग 3-4 कर्मचारी किसी समय, आधारित वेतन मंहगाई भत्ता, विशेष भत्ता और वैयक्तिक भत्ता यदि कोई हो, के रूप में कुल मिलाकर प्रतिमास 3,500 रुपये की राशि से अधिक नहीं लेगा।

(2) कोई वर्ग 4 कर्मचारी—किसी समय, आधारित वेतन, मंहगाई भत्ता विशेष भत्ता और वैयक्तिक भत्ता यदि कोई हो, के रूप में कुल मिलाकर 2,100 रुपये प्रतिमास से अधिक नहीं लेगा।

(3) भारतीय जीवन बीमा निगम (वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी) वेतन नियम, 1981 के अधीन वैयक्तिक भत्ते का संदाय किया जाना यदि कोई हो, समाप्त हो जाएगा।

13. बोनस—(1) कोई वर्ग 3 या वर्ग 4 कर्मचारी किसी लाभ को अंश ग्रहण करने का बोनस या किसी अन्य प्रकार के नकद बोनस के संदाय का हकदार नहीं होगा।

(2) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, प्रत्येक वर्ग 3 और वर्ग 4 के कर्मचारी प्रत्येक ऐसे वर्ष के लिए, जो 1 अप्रैल से आरम्भ और आगामी वर्ष के 31 मार्च को समाप्त होता है, बोनस के बदले में, ऐसी दर पर और ऐसी शर्तों के अधीन संदाय का हकदार होगा जो केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, मजदूरी के स्तर, वित्तीय परिस्थितियों और अन्य सुसंगत बातों का ध्यान में रखते हुए निर्धारित करे:

परन्तु यह कि—

(1) 1600 रुपये प्रतिमास से अधिक वेतन पाने वाले किसी कर्मचारी को बोनस के बदले में कोई रकम देय नहीं होगी;

(2) जहाँ किसी कर्मचारी का वेतन 750 रुपये प्रतिमास से अधिक हो जाए किन्तु 1600 रु० प्रतिमास से अधिक न हो, वहाँ ऐसे कर्मचारी को बोनस के बदले में देय अधिकतम रकम इस प्रकार संगणित की जाएगी मानो उसका वेतन 750 रु० प्रति मास है।

स्पष्टीकरण :

इस उपनियम के प्रयोजन के लिए "वेतन" से आधारित वेतन, विशेष, भत्ता, यदि कोई है, और मंहगाई भत्ता अभिप्रेत है।

14. अधिवार्षिता और सेवानिवृत्ति:—वर्ग 3 या वर्ग 4 का कोई कर्मचारी जिसे 22 फरवरी, 1983 को या उसके पश्चात् सेवा में नियुक्त किया गया है, 58 वर्ष की आयु पूरी कर लेने पर सेवानिवृत्ति होगा:

परन्तु यह कि कर्मचारी विनियम की अनुसूची 4 में विनिर्दिष्ट सक्षम प्राधिकारी यदि उसकी राय है कि ऐसा करना निगम के हित में है, ऐसे कर्मचारी को 55 वर्ष की आयु पूरी कर लेने पर या उसके पश्चात् किसी समय उसे तीन मास की सूचना देकर या उसके बदले वेतन देकर, सेवानिवृत्त होने का निदेश दे सकता है।

15. वेतन का पुनः नियत किया जाना :

(1) किसी उच्चतर श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्त किए जाने पर वर्ग 3 या वर्ग 4 के कर्मचारी का आधारित वेतन आरम्भ में ऐसे उच्चतर वेतनमान में, जो निम्नतर वेतनमान में उसके वेतन से ठीक ऊपर है, उस प्रक्रम से एक प्रक्रम ऊपर नियत किया जाएगा :

परन्तु जहाँ निम्नतर वेतनमान में आधारित वेतन उच्चतर वेतनमान में कोई प्रक्रम है, वहाँ आधारित वेतन उच्चतर वेतनमान में ऐसे प्रक्रम पर नियत किया जाएगा जो निम्नतर वेतनमान में उसके आधारित वेतन के ठीक ऊपर है :

परन्तु यह और कि जहां वेतन इस प्रकार नियत किए जाने का परिणाम आधारी वेतन में कम से कम एक श्रेणी वृद्धि होगा है जो कि उच्चतर वेतन मान का न्यूनतम है तो वहां आधारी वेतन उच्चतर वेतनमान के न्यूनतम पर नियत किया जाएगा :

परन्तु यह भी कि जहां किसी वर्ग 3 (पर्यवेक्षीय या लिपिकीय) कर्मचारी को 1 अप्रैल, 1983 का या उसके पश्चात् वर्ग 1 अधिकारी के रूप में प्रोन्नत किया जाता है, वहां उच्चतर वेतनमान में उसका आधारी वेतन ऐसे आधारी वेतन के आधार पर नियत किया जाएगा जो वह नियत किए जाने की तारीख को प्राप्त करता यदि वह 1 अप्रैल 1983 से ठीक पहले उसे लागू निम्नतर वेतनमान में बना रहता ।

(2) ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो समय-समय पर अधिरोपित की जाएं, उच्चतर कांडर में प्रोन्नत किए गए कर्मचारियों को, प्रोन्नति के समय निम्नतर कांडर में उनके द्वारा लिए जाने वाले पारिश्रमिक में हानि को ध्यान में रखते हुए,

वैयक्तिक भत्ता स्वीकृत किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजन के लिए नियम 4 के उपनियम (3) और नियम 6 के उपनियम (2) के परन्तुक में विनिर्दिष्ट विशेष भत्ते के अंश को आधारी वेतन के भाग के रूप में समझा जाएगा।

(3) किसी कर्मचारी को उच्चतर श्रेणी में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किए जाने की दशा में वह ऐसा स्थानापन्न भत्ता लेगा जो उपनियम (1) और (2) के अधीन निम्नतर वेतनमान और उच्चतर वेतनमान में के वेतनों के अन्दर के बराबर हो :

परन्तु उपनियम (3) में निर्दिष्ट स्थानापन्न भत्ते में कर्मचारी विनियम की अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा कमी की जा सकती है यदि स्थानापन्नता की व्यवस्था अस्थायी किस्म की और परिस्थितियां इसे न्यायोचित ठहराती हैं।

16. रुग्णता छुट्टी.—वर्ग 3 या वर्ग 4 का कोई कर्मचारी चिकित्सा प्रमाणपत्र देने पर, सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिए एक मास की दर से रुग्णता छुट्टी पाने का हकदार होगा किन्तु यह छुट्टी निगम को सेवा की सम्पूर्ण अवधि में अधिक से अधिक सोलह मास होगी :

परन्तु ऐसे कर्मचारी को कर्मचारी विनियम के विनियम 62 के उपनियम (1) और (2) के अधीन अनुज्ञेय आकस्मिक छुट्टी और अतिरिक्त आकस्मिक छुट्टी को जिसका उसने उपभोग नहीं किया है, उसकी सेवा की सम्पूर्ण अवधि के दौरान, चिकित्सा प्रमाणपत्र, प्रस्तुत करने पर, पूरे वेतन पर अधिक से अधिक दो मास तक या आधे वेतन पर अधिक से अधिक चार मास तक अतिरिक्त रुग्णता छुट्टी में संपरिवर्तित किया जा सकता है :

परन्तु यह और कि यदि ऐसा कर्मचारी कैंसर, कुष्ठ, यक्ष्मा, पक्षाघात, मानसिक बीमारी, मास्तिक शोथ, हृदय संबंधी बीमारियों या गुर्दा की बीमारी जैसी बड़ी बीमारियों में से किसी से ग्रस्त है तो उसे आधे वेतन पर अधिक से अधिक छह मास की विशेष रुग्णता छुट्टी अनुज्ञात की जा सकती है यदि उसके खाते में उसे अनुज्ञेय कोई रुग्णता छुट्टी नहीं है।

17. प्रसूति छुट्टी.—कर्मचारीवृन्द विनियम की अनुसूची 4 में विनिर्दिष्ट सक्षम प्राधिकारी किसी महिला कर्मचारी को, उसकी सम्पूर्ण सेवाअवधि के दौरान अधिकतम बारह मास के अधीन रहते हुए, ऐसी अवधि के लिए प्रसूति छुट्टी स्वीकृत कर सकता है जिसका विस्तार तीन मास तक हो सकेगा।

18. भविष्य निधि.—(1) किसी परिवीक्षाधीन कर्मचारी या अस्थायी आधार पर नियुक्त किए गए कर्मचारी या ऐसा कर्मचारी, जो किसी अनुमोदित अधिवर्षिता निधि में अभिदाय कर रहा हो, से भिन्न प्रत्येक वर्ग 3 या वर्ग 4 कर्मचारी, निगम द्वारा स्थापित भविष्य निधि में प्रतिमास अपने आधारी वेतन, जिसमें नियम 4 के उपनियम (3) के परन्तुक या नियम 6 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट विशेष भत्ते का अंश भी सम्मिलित है, के योग के 8½ प्रतिशत की दर से अभिदाय करेगा। निगम प्रतिमास प्रत्येक कर्मचारी के वास्तविक अभिदाय के बराबर रकम भविष्य निधि में अभिदाय करेगा जो अधिक से अधिक आधारी वेतन, जिसमें नियम 4 के उपनियम (3) के परन्तुक या नियम 6 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट विशेष भत्ते का अंश भी है, के योग का 8½ प्रतिशत होगा।

(2) ओरिन्टल गवर्नमेंट सिक्योरिटी लाइफ अश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड के ऐसे स्थानान्तरित कर्मचारी जो उस कम्पनी की पेंशन निधि में अभिदाय कर रहे हैं, जिसे केवल ऐसे कर्मचारियों के लिए एक पृथक निधि के रूप में, उपान्तरणों सहित जारी रखा जा रहा है, उस निधि के नियमों के अनुसार पेंशन के हकदार होंगे।

(3) किन्तु उपनियम (2) में निर्दिष्ट कर्मचारी निगम द्वारा स्थापित भविष्य निधि में अभिदाय करने के लिए अनुज्ञात किए जा सकते हैं परन्तु ऐसे कर्मचारियों की बाबत भविष्य निधि में कोई अभिदाय करने की अपेक्षा निगम से नहीं की जाएगी।

19. उपदान (1) (क) ऐसा स्थायी वर्ग 3 या वर्ग 4 कर्मचारी जो पन्द्रह से अग्यून वर्षों तक (इसमें से 1 सितम्बर, 1955 को या उसके पश्चात् भर्ती किए गए कर्मचारियों की बाबत परिवीक्षा या अस्थायी सेवा की अवधि सम्मिलित नहीं है) निगम की निरन्तर सेवा में (इसमें बीमाकर्ता की सेवा भी सम्मिलित है) रहा है और ऐसा कर्मचारी —

(i) जिसकी सेवाएं निगम द्वारा किसी भी कारण से समाप्त की गई हैं; या

- (ii) जिसने स्वेच्छा से निगम की सेवा का त्याग किया है ; या
- (ख) वर्ग 3 या वर्ग 4 का ऐसा स्थायी कर्मचारी—
- (i) जिसकी निगम की सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाती है ; या
- (ii) जो निगम की सेवा से निवृत्त हो गया है ; या
- (iii) जिसकी सेवाएं या तो निरन्तर बीमारी की वजह से या किसी ऐसी दुर्घटना के कारण जिसने कर्तव्यों के उचित निर्वहन में उसे असमर्थ बना दिया हो, समाप्त कर दी जाती है ; या
- (iv) जिसकी सेवाएं, स्थापना के पुनर्गठन के लिए कर्मचारिवृन्द में कटौती के कारण समाप्त कर दी जाती है,

उपदान के संदाय के लिए पात्र होगा।

(2) किसी भी कर्मचारी को उपनियम (1) के अधीन अनुज्ञेय उपदान एक मास के सेवान्त आधारी वेतन, जिसमें नियम 4 के उपनियम (3) के परन्तुक या नियम 6 के उपनियम (3) में विनिर्दिष्ट विशेष भत्ते का अंश भी सम्मिलित है, की दर से, निरन्तर पूरी की गई सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिए (इसमें बीमाकर्ता के पास नियमित वैतनिक सेवा भी सम्मिलित है) प्रथम 15 वर्ष की बाबत दिया जाएगा और इससे आगे की निरन्तर सेवा के पूरे किए गए प्रत्येक वर्ष के लिए आधे मास के आधारी वेतन, जिसमें नियम 4 के उपनियम (3) के परन्तुक या नियम 6 के उपनियम (2)* में विनिर्दिष्ट विशेष भत्ते का अंश भी सम्मिलित है, की दर से दिया जाएगा, किन्तु कुल अनुज्ञेय उपदान की राशि अधिकतम 20 मास के सेवान्त वेतन [जिसमें नियम 4 के उपनियम (3) के परन्तुक या नियम 6 के उपनियम (2)] में विनिर्दिष्ट विशेष भत्ते का अंश भी सम्मिलित है या 36,000 रुपये उसमें जो भी कम हो, से अधिक नहीं होगी।

स्पष्टीकरण—इस उपनियम के अधीन उपदान की संगणक के प्रयोजनार्थ, किसी कर्मचारी द्वारा किसी असाधारण छुट्टी में बितायी गई उतनी अवधि, जो उसकी सम्पूर्ण सेवावधि के दौरान 12 मास से अधिक है, सम्मिलित नहीं होगी।

(3) किसी वर्ग 3 या वर्ग 4 कर्मचारी को अनुज्ञेय उपदान का निर्धारण, उपनियम (2) के उपबन्धों के अनुसार किया जाएगा या उसकी गणना, उपदान संदाय अधिनियम, 1972 (1972 का 39) के अधीन इसमें जो भी उसके अनुकूल हो, की जाएगी।

(4) किसी कर्मचारी को अनुज्ञेय उपदान की रकम पर निगम को प्राप्त किसी धारणाधिकार के अधीन रहते हुए, निगम, कर्मचारी को, या कर्मचारी के नाम निर्देशित या

नामनिर्देशितियों को, या यदि कोई नामनिर्देशन नहीं किया गया है या नहीं है तो कर्मचारी के उत्तराधिकारियों को इस नियम के अधीन अनुज्ञेय उपदान की रकम का संदाय करेगा।

(5) उपनियम (1) से (4) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए, भी

(i) जहां किसी कर्मचारी पर प्रबन्धतन्त्र या अन्य कर्मचारियों के विरुद्ध हिंसा से अन्तर्ग्रस्त किसी कार्य के लिए या नियोजन के स्थान में या उसके निकट किसी बलवाई या विच्छृंखल व्यवहार के लिए पदच्युति की शास्ति अधिरोपित की जाती है, वहां उसे देय उपदान पूर्णतः समपहत हो जाएगा ; और

(ii) जहां अनिवार्य सेवानिवृत्ति, सेवा से हटाए जाने या पदच्युति की शास्ति किसी कर्मचारी पर उसके ऐसे कार्य के लिए जिससे निगम की वित्तीय हानि सहनी पड़े, अधिरोपित की जाए, वहां उसको देय उपदान से उतनी राशि समपहत होगी जितनी हानि हुई हो।

20. निर्वचन.—यदि इन नियमों के निर्वचन के संबंध में कोई शंका या कठिनाई उपस्थित हो, तो उसे विनिश्चय के लिए केन्द्रीय सरकार को निर्दिष्ट किया जाएगा।

[फा. सं. 2(3)/बीमा-III/85]

ए. सी. सेन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 11th April, 1985

NOTIFICATION

Insurance

Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985

G.S.R. 357(E).—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956) and in supersession of the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Bonus and Dearness Allowance) Rules, 1981, the Life Insurance Corporation of India (Class III and Class IV Employees) Pay Rules, 1981 and the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Superannuation and Retirement) Rules, 1983, except as respect things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules regulating certain terms and conditions of service of Class III and Class IV employees of the Life Insurance Corporation of India, namely:—

1. Short title, commencement and applications.—(1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985.

(2) The provisions of these rules except rule 14 shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1983 and rule 14 shall be deemed to have come into force on the 22nd day of February, 1983.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), where any Class III or Class IV employee gives a notice in writing to the Corporation within thirty days of the date of publication of these rules in the Official Gazette, expressing his option to be governed by the provisions of these rules, except rule 14, with effect from the 11th day of April, 1985, then the Corporation may, by order, permit such employee to be governed by the said rules with effect from the said date.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956);
- (b) "Employee" means an employee of the Life Insurance Corporation of India and includes any person who became such employee of the Corporation on the appointed day under the Act;
- (c) "functional allowance" means an allowance paid to an employee for the performance of a specified function;
- (d) "Promotion Regulations" means the Life Insurance Corporation of India (Promotion) Regulations, 1976;
- (e) "Staff Regulations" means the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulation, 1960;
- (f) words and expressions used in these rules and not defined but defined in the Staff Regulations shall have the meaning assigned to them in the Staff Regulations.

3. Conditions of service of Class III and Class IV Employees.—Notwithstanding anything contained in the Staff Regulations and the Promotion Regulations, the terms and conditions of service of Class III and Class IV employees relating to matters covered by these rules shall be regulated in accordance with the provisions of rules 4 to 19 of these rules.

4. Scales of pay of Class III employees.—(1) The scales of pay of Class III employees shall be as under:—

- (1) Superintendents : 1210-75-2035-80-2385
- (2) Higher Grade Assistants 775-60-1135-EB-75-2035
- (3) Section Heads : 660-45-750-60-1290-75-1890
- (4) Stenographers : 520-30-670-45-850-60-1150-EB-60-1210-75-1660
- (5) Assistants, Receiving and Paying Cashiers, Typists, Telephone Operators, Addressing Machine and Punch Card Operators, Comptometer Operators, Projectionists : 520-30-670-45-850-60-1210-EB-75-1660.
- (6) Record Clerks : 460-20-520-25-720-EB-35-860-45-1130.

(2) In addition to the scales of pay specified in sub-rule(1), the following categories of employees shall receive a special allowance to the extent specified below :—

- 1. Higher grade Assistants appointed as Internal Audit Assistants :
 - (a) For the first five years — Rs. 180 p.m.
 - (b) For the next five years — Rs. 200 p.m.
 - (c) For the subsequent years — Rs. 225 p.m.
- 2. Stenographers — Rs. 245 p.m.
- 3. Assistants appointed as Receiving and Paying Cashiers — Rs. 115 p.m.

(3) The special allowance referred to in sub-rule (2) shall not be treated as part of basic pay :

Provided that part of the special allowance, to the extent specified below, shall count for the purposes of provident fund, gratuity, house rent allowance, and for re-fixation of salary on promotion.

- (a) in the case of Higher Grade Assistants appointed as Internal Audit Assistants
 - for the first five years — Rs. 110 p.m.
 - for the next five years — Rs. 120 p.m.
 - for the subsequent years — Rs. 135 p.m.
- (b) in the case of Stenographers — Rs. 146 p.m.
- (c) in the case of Assistants appointed as Receiving and Paying Cashiers Rs. 70 p.m.

(4) No employee except Banda and Duplicating Machine Operators, in the scale of pay of the Record Clerks, who shall be paid a functional allowance of Rs. 25 p.m., shall be entitled to the said allowance :

Provided that an existing Class III employee, who is in receipt of the said functional allowance, shall continue to draw the same so long as he is holding the post to which the functional allowance attached, to be absorbed in future wage revision.

(5) No Class III employee shall be entitled to any special pay.

5. Promotions to the cadre of Section Heads and Superintendants.—There shall be no fresh appointments or promotions to the cadre of Section Heads and Superintendants on or after the 1st July, 1985.

6. Scales of pay of Class IV employees.—(1) The scales of pay of Class IV subordinate employees shall be as under :—

- (1) Sweepers and Cleaners Rs. 415-10-425-20-775
- (2) Sepoys, Hamals, Head Peons, Liftmen and Watchmen, Daftries Rs. 430-10-450-20-790
- (3) Drivers Rs. 430-10-450-20-790

(2) In addition to the scale of pay specified in sub-rule (1), the following categories of employees shall receive a special allowance to the extent specified below, which shall count as basic pay for all purposes :—

- (a) Liftmen, Watchmen, Head Peons : Rs. 33 p.m.
- (b) Drivers :
 - Upto the 9th stage in the scale of pay Rs. 150 p.m.
 - On the 10th stage and onwards upto and inclusive of the 14th stage in the scale of pay Rs. 170 p.m.
 - On the 15th stage and onwards Rs. 190 p.m.

(3) No Class IV employee shall be entitled to any special pay.

7. Addition to basic pay after reaching maximum of scale.—Subject to the work record being found satisfactory—

- (a) an employee.—
 - (i) in the scale of Assistant or Stenographer in Class-III; or
 - (ii) in any of the scales in Class IV, who has reached the maximum of the scale of pay applicable to him, may be granted for every two completed years of service after reaching such maximum, an additional increment equal to the last increment drawn by him in the scale of pay, subject to a maximum of three such increments;

- (b) an employee in the scale of Record Clerk, Section Head or Higher Grade Assistant, who has reached the maximum of the scale, may be granted for every three completed years of service after reaching such maximum an additional increment equal to the last increment drawn by him in the scale of pay subject to a maximum of two such increments :

Provided that where an employee is not granted additional increment referred to in clause (a) or clause (b) at the end of two years or as the case may be, three years of service from the date of his last increment or the last additional increment, his case shall fall due for review in each calendar year in the month following that in which he completes twelve months of service in that year, so long as he has not been allowed the increment, and if it is decided to allow the increment, it shall take effect from the first of the month in which the review has fallen due in the calendar year in which the decision is taken to allow the increment.

Explanation:—For the purpose of this rule, the competent authority to allow the additional increment shall be the authority competent to allow the employee to cross the efficiency bar as specified in Schedule IV to the Staff Regulations.

8. Dearness allowances.—(1) The scales of dearness allowance of Class III and Class IV employees shall be determined as under :—

Index : All India Average Consumer Price Index Number of Industrial Workers.

Base : Index No. 332 in the series 1960=100

Rate : Class III employees—

1 per cent of the basic pay for every four points in the quarterly average of the All India Consumer Price Index above 332 points, subject to a maximum of Rs. 15.80 for every four points.

Class IV employees

1.2 per cent of the basic pay and the special allowance, if any, for every four points in the quarterly average of the All India Consumer Price Index 332 points.

(2) There shall be an upward revision of the dearness allowance payable for every four points rise in the quarterly average (hereinafter referred to as the "current average figure") of the All India Consumer Price Index above 332 points in the sequence 332-336-340-344 and so on; and there shall be downward revision of the dearness allowance payable if the current average figure falls below the index figure in the above sequence with reference to which the dearness allowance has been paid for the last preceding quarter. On the downward revision, the dearness allowance payable shall correspond to the current average figures if such current average figure is a figure in the above sequence; and the dearness allowance payable shall correspond to the figure in the above sequence next preceding the current average figure if such current average figure is not a figure in the sequence. For this purpose, quarter shall mean a period of three months ending on the last day of March, June, September or December. The final index figures as published in the Indian Labour Journal or the Gazette of India, whichever publication is available earlier, shall be the index figure which shall be taken for the purpose of calculation of dearness allowance.

(3) For the purpose of calculating dearness allowance for a particular month, the quarterly average for the last quarter for which the final index figures are available on the 15th day of that month shall be taken. Actual payment of this revised dearness allowance shall be made in the month following that in which the relevant index figures are available.

(4) For removal of doubt, it is clarified that the dearness allowance payable on the 1st April, 1983 shall be the amount determined in accordance with the rate specified in this rule on 160 points above 332 and all quarterly revisions

thereafter shall be deemed to fall due on the first of the month in which the quarterly average index figures were available for revision of dearness allowance under the rules before the commencement of this date. Accordingly, for April, 1983, the dearness allowance payable shall be as indicated in the first entry in the Table given below and such allowance shall be deemed to have been revised thereafter in accordance with the successive entries in the Table.

TABLE

Dearness Allowance payable for the months	'Quarterly' Average Index in multiples of four points	Index points above 332 or which D.A. is payable	Rate	
			Cl. III	Cl. IV
April, '83	492	160	40%	48%
May, '83 to July, '83	496	164	41%	49.2%
Aug. '83 to Oct., '83	520	188	47%	56.4%
Nov. '83 to Jan., '84	548	216	54%	64.8%
Feb. '84 to April, '84	556	224	56%	67.2%
May, '84 to July, '84	560	228	57%	68.4%
Aug. '84 to Oct., '84	664	232	58%	69.6%
Nov. '84 to Jan., '85	584	252	63%	75.6%

9. House rent allowances.—(1) The scales of house-rent allowances of Class III and Class IV employees, except those who have been allotted staff quarters, shall be at the rate of 10 per cent of the basic pay plus the portion of special allowance specified in the proviso to sub-rule (3) of rule 4 or sub-rule (2) of rule 6, subject to a maximum of two hundred rupees.

(2) Employees who are allotted staff quarters shall not be entitled to any house rent allowances but they shall pay the appropriate licence fee for the staff quarters in their possession :

Provided that employees who have been allotted staff quarters before the 1st day of April, 1983, shall continue to receive the house rent allowance paid to them as on the date preceding the date of commencement of this rule.

10. City compensatory allowance :—(1) The scales of city compensatory allowance payable to Class III and Class IV employees shall be as under :—

Place of posting	Rate	Mini-	Maxi-
		mum	mum
		Rs.	Rs.
(a) Cities with population exceeding 12 lacs and Urban Agglomeration of Panaji and Marmugoa	Class III 10 per cent of basic pay Class IV 8 per cent of basic pay	65 40	140 60
(b) Cities with population of 5 lacs and above but not exceeding 12 lacs, state capital, with population not exceeding 12 lakhs and Chandigarh, Pondicherry, and Port Blair.	Class III 6 per cent of basic pay Class IV 4-1/2 per cent of basic pay.	45 30	90 35

NOTE : For the purpose of this rule, the population figures shall be those in the 1981 Census Report.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), any Class III or Class IV employee in receipt of an amount of Rs. 20 per month as city compensatory allowance immediately before the 1st day of April, 1983 shall continue to receive the said amount so long as he is posted at the same place to be absorbed in future wage revision.

11. Hill allowance .—(1) The scales of hill allowance payable to Class III and Class IV employees shall be as follows :—

(i) posted at places situated at a height of 1,500 meters and over above mean sea level. At the rate of 10 per cent of the basic pay, subject to a minimum of Rs. 35 and a maximum of Rs. 100 per month.

(ii) posted at places situated at a height of 1,000 meters and over but less than 1,500 meters above mean sea level, at Mecara and at places which are specifically declared as 'Hill Stations' by Central/State Governments or their employees. At the rate of 8 per cent of the basic pay, subject to a minimum of Rs. 30 per month and a maximum of Rs. 75 per month.

12. Maximum limit of pay .—(1) No Class III employee shall, at any time, draw by way of basic pay, dearness allowance, special allowance and personal allowance, if any, an amount exceeding Rs. 3,500 per month in the aggregate.

(2) No Class IV employee shall, at any time, draw by way of basic pay, dearness allowance, special allowance and personal allowance, if any, an amount exceeding Rs. 2,100 per month in the aggregate.

(3) Personal allowance, if any, payable under the Life Insurance Corporation of India (Class III and Class IV Employees) Pay Rules, 1981, shall cease to be paid.

13. Bonus :—(1) No Class III or Class IV employees shall be entitled to the payment of any profit sharing bonus or any other kind of cash bonus.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), every Class III and Class IV employee shall be entitled to a payment in lieu of bonus for every year commencing on the 1st day of April and ending with the 31st day of March of the following year, at such rate and subject to such conditions as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, determine having regard to the wage level, financial circumstances and other relevant factors :

Provided that —

(i) no payment in lieu of bonus shall be payable to any employee drawing a salary exceeding Rs. 1600 per month;

(ii) where the salary of an employee exceeds Rs. 750 per month but does not exceed Rs. 1600 per month, the maximum payment in lieu of bonus payable to such employee shall be calculated as if his salary were Rs. 750 per month.

Explanation :—For the purpose of this sub-rule "salary" means basic pay, special allowance, if any, dearness allowance.

14. Superannuation and retirement :—An employee belonging to the Class III or Class IV, appointed to the service on or after the 22nd February 1983, shall retire on completion of 58 years of age, provided that the competent authority specified in Schedule IV to the Staff Regulations may, if it is of the opinion that it is in the interest of the Corporation to do so, direct such employees to retire on completion of 55 years of age or at any time thereafter on giving him three months' notice of salary in lieu thereof.

15. Re-fixation of salary :—(1) On appointment on a regular basis to a higher grade, the basic pay of a Class III or Class IV employee shall be initially fixed at one stage above that stage in the higher scale which is next above his basic pay in the lower scale :

Provided that where the basic pay in the lower scale is a stage in the higher scale, the basic pay shall be fixed at the stage in the higher scale which is next above his basic pay in the lower scale :

Provided further that the basic pay shall be fixed at the minimum of the higher scale where such fixation results in an increase in basic pay of at least one grade increment obtaining at the minimum of the higher scale :

Provided also that where a Class III (Supervisory or Clerical) employee is promoted as Class I Officer on or after the 1st April, 1983, his basic pay in the higher scale of pay shall be fixed on the basis of the basic pay which he would have drawn on the date of fixation had he continued in the lower scale of pay applicable to him immediately prior to the 1st of April, 1983.

(2) Subject to such conditions as may be imposed from time to time, a personal allowance may be granted to employees promoted to a higher cadre in consideration of the loss in remuneration drawn by them in the lower cadre at the time of promotion.

Explanation :—For the purpose of this rule, the portion of special allowance specified in the proviso to sub-rule (3) of rule 4 and sub-rule (2) of rule 6 shall be treated as part of basic pay.

(3) In the case of an employee appointed to officiate in a higher grade he shall draw officiating allowance, which shall be equal to the difference between the basic pay in the lower scale and the higher scale under sub-rule (1) and (2) :

Provided that officiating allowance referred to in sub-rule (3) may be reduced by the appointing authority specified in Schedule I to the Staff Regulations if the officiating arrangement is of a temporary nature and the circumstances justify it.

16. Sick Leave :—A Class III or a Class IV employee shall be entitled to sick leave on medical certificate at the rate of one month for each completed year of service, subject to a maximum of sixteen months throughout the service in the Corporation :

Provided that the casual leave and the additional casual leave admissible to such employee under sub-regulation (1) and (2) of regulation 62 of the Staff Regulations and not availed of by him, shall be converted into additional sick leave on full pay up to a maximum of two months or on half pay up to a maximum of four months, during the entire period of his service to be availed of by him on production of medical certificate :

Provided further that if such employee is suffering from any of the major diseases of Cancer, Leprosy, T.B., Paralysis, Mental diseases, Brain tumour, Cardiac ailments or kidney diseases, he may be allowed special sick leave on half pay for a period not exceeding six months if he has to his credit no sick leave admissible to him.

17. Maternity leave :—The competent authority specified in Schedule IV to the Staff Regulations may grant to a female employee maternity leave for a period which may extend up to 3 months subject to a maximum of 12 months during the entire period of an employee's service.

18. Provident Fund :—(1) Every Class III or Class IV employee, other than an employee on probation or an employee appointed on temporary basis or an employee who is contributing to an approved Superannuation Fund, shall contribute every month to the Provident Fund established by the Corporation at the rate of 8-1/3 per cent of the aggregate of his basic pay including the portion of special allowance specified in the proviso to sub-rule (3) of rule 4 or sub-rule (2) of rule 6. The Corporation shall contribute to the Provident Fund every month an amount equal to the actual contribution of each such employee subject to a maximum of 8-1/3 per cent of the aggregate of the basic pay including the portion of special allowance specified in the proviso to sub-rule (3) of rule 4 or sub-rule (2) of rule 6.

(2) Transferred employees of the Oriental Government Security Life Assurance Company Limited, who are contributing to the Pension Fund of that company, which is being continued with modifications as a separate Fund for such

employees only shall be entitled to pension according to the rules of that Fund.

(3) Employees referred to in sub-rule (2) may however, be permitted to contribute to the Provident Fund established by the Corporation but the Corporation shall not be required to make any contribution to the Provident Fund in respect of such employees.

19. Gratuity :—(1) (a) A permanent Class III or Class IV employee who has been in continuous service of the Corporation (including service with the insurer) for not less than 15 years (excluding period of probation or temporary service in respect of employees recruited on or after the 1st September, 1956) and

- (i) whose services are terminated by the Corporation for any reason whatsoever; or
- (ii) who voluntarily resigns from the service of the Corporation; or
- (b) a permanent Class III or Class IV employee—
 - (i) who dies while in the service of the Corporation; or
 - (ii) who retires from the service of the Corporation; or
 - (iii) whose services are determined either due to continued illness or accident incapacitating him from the proper discharge of his duties; or
 - (iv) whose services are dispensed with owing to reduction of staff for reorganisation of establishment;

shall be eligible for the payment of gratuity.

(2) Gratuity admissible to an employee under sub-rule (1) shall be at the rate of one month's terminal basic pay including the portion of special allowance specified in the proviso to sub-rule (3) of rule 4 or sub-rule (2) of rule 6, for each completed year of continuous service (inclusive of regular salaried service with the insurer) in respect of first 15 years and at the rate of half a month's terminal basic pay including the portion of special allowance specified in the proviso to sub-rule (3) of rule 4 and sub-rule (2) of rule 6 for each completed year of further continuous service; so, however,

that the total gratuity admissible shall not exceed a maximum of 20 months' terminal basic pay including portion of special allowance specified of special allowance specified in the proviso to sub-rule (3) of rule 4 or sub-rule (2) of rule 6 or Rs. 36,000 whichever is less.

Explanation :—For the purpose of computation of gratuity under this sub-rule any period spent by an employee on extraordinary leave, exceeding 12 months during the entire period of his service shall be excluded.

(3) Gratuity admissible to a Class III or Class IV employee shall be determined in accordance with the provisions of sub-rule (2) or calculated under the payment of Gratuity Act, 1972 (39 of 1972), whichever is more favourable to him.

(4) Subject to any lien the Corporation may have on the amount of gratuity admissible to an employee, the Corporation shall pay to the employee or to the nominee or nominees of the employees, or if no nomination has been made or is subsisting, to the heirs of the employee, the amount of gratuity admissible under this rule.

(5) Notwithstanding anything contained in sub-rules (1) to (4) —

- (i) where the penalty of dismissal is imposed on an employee for any act involving violence against the management or other employees or any riotous or disorderly behaviour in or near the place of employment, the gratuity payable to him shall stand wholly forfeited; and
- (ii) where the penalty of compulsory retirement, removal from service or dismissal is imposed on an employee for any act involving the Corporation in financial loss, the gratuity payable to him shall stand forfeited to the extent of such loss.

20. Interpretation :—Where any doubt or difficulty arises as to the interpretation of these rules, it shall be referred to the Central Government for its decision.

[F. No. 2(3)/Ins.III/85]

A. C. SEN, Jt. Secy.

